समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• जनवरी २०२२ • वर्ष ७३ • अंक ०१
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

राष्ट्र के ७३वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता स्थित अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन केन्द्रीय कार्यालय भवन के समक्ष सम्मेलन के पदाधिकारियों-सदस्यों के साथ झंडोत्तोलन करते राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका।

इस अंक में :

★ **अध्यक्षीय :** नववर्ष मंगलमय हो हमारा - अमर रहे गणतंत्र हमारा!

★ **सम्पादकीय :** कमाओ सौ हाथ से, बाँटों हजार हाथ से।

★ सम्मेलन में नये सदस्यों का स्वागत

★ **आलेख :** महिला सामान नहीं, सम्मान की हकदार है; स्व. राधेश्याम खेमका: सनातन साहित्याकाश के देदीप्यमान नक्षत्र

★ **रपट :** गणतंत्र दिवस समारोह, राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक, प्रादेशिक समाचार - बिहार, पश्चिम बंग, तेलंगाना

Rungta Office, Nagar Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand- 833201
Email - tmtsales@rungtasteel.com

समाज विकास

◆ जनवरी २०२२ ◆ वर्ष ७३ ◆ अंक १
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया** कमाओ सौ हाथ से, बाँटो हजार हाथ से।	४-५
● **अध्यक्षीय : गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** नववर्ष मंगलमय हो हमारा – अमर रहे गणतंत्र हमारा!	७
● **रपट –**	
गणतंत्र दिवस समारोह	८-१०
राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक	१५
● प्रादेशिक समाचार	१६, १८
● **आलेख – सीताराम शर्मा** महिला 'सामान' नहीं, सम्मान की हकदार है!	१७
● **देव-स्तुति : डॉ. जुगल किशोर सर्राफ**	१९
● सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत	२०-२२

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ सम्पादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

श्रद्धांजलि

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के विशिष्ट संरक्षक सदस्य एवं समर्पित समाजसेवी श्री बुलाकी दास जी भैया का गत २२ जनवरी २०२२ को वैकुण्ठवास हो गया। कोलकाता–निवासी स्व. बुलाकी दास जी लम्बे समय से सम्मेलन से जुड़े थे और सम्मेलन के कार्यक्रमों में सर्वरूपेण सहयोग करते थे।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन परिवार स्वर्गीय बुलाकी दास जी भैया को विनम्र–कृतज्ञ पुष्पांजलि अर्पित करते हुए परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि वे दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीविग्रह में स्थान और उनके शोक-संतप्त परिवार को धैर्य धारण की शक्ति दें!!

सम्पादकीय

कमाओ सौ हाथ से, बाँटो हजार हाथ से।

एक बार हकीम लुकमान से उनके बेटे ने पूछा – अगर मालिक ने फरमाया कि कोई चीज माँग, तो मैं क्या माँगू? लुकमान ने जबाब दिया – 'परमार्थ का धन'। बेटे ने फिर कहा – 'अगर दूसरी चीज माँगने को कहें तो? लुकमान ने कहा – हलाल की कौड़ी (पसीने की कमाई) माँगना। उसने फिर पूछा – तीसरी चीज? जबाब मिला – उदारता। चौथी? शरम। पाँचवी – अच्छा स्वभाव। बेटे ने फिर पूछा – और कुछ माँगने को कहें तो? लुकमान ने जबाब दिया – 'बेटा! जिसको ये पाँच चीजें मिल गई उसको तो माँगने के लिये और कुछ भी नहीं बचेगा। तेरी खुशहाली का यही रास्ता है और तुझे इसी रास्ते से जाना चाहिए।

आज के संदर्भ में हमें यह सोचना होगा कि हमारी आवश्यकताओं में किन चीजों की प्राथमिकता होती है। हमारी मनोदशा किस पर केन्द्रित हुई जा रही है? यह कहना गलत नहीं होगा कि आज धन का बोलबाला है। प्रत्येक व्यक्ति धन उपार्जन करने की भागमभाग में व्यस्त है। इसके सामने अन्य लक्ष्य गौण हो जाते है। पर उस सोच से ग्रस्त हम इंसान कहलाने के हक से वंचित हो जाते हैं।

जो वर्ग अधिक उपार्जन करते हैं, उनका उत्तरदायित्व है कि वे सामाजिक स्तर से बढ़-चढ़ कर दिखावा-प्रदर्शन में खर्च न करें। उसी प्रकार से अपना जीवन-यापन करे जैसा समाज के सामान्य नागरिक को करना पड़ता है। थोड़ा-बहुत अंतर हो सकता है, पर वह अंतर सीमित रहना चाहिए जैसा कि पाँच अंगुलियों में रहता है। अधिक क्षमता की सार्थकता एवं प्रशंसा इस बात में हैं कि उसका उपयोग अपने से कमजोर लोगों को सशक्त बनाने में किया जाय। दान करना उन लोगों का नैतिक कर्त्तव्य है। अपरिग्रह धर्म का एक आवश्यक अंग माना गया है। आवश्यकता से अधिक संग्रह को 'पाप' की श्रेणी में रखा गया है। अधिक धन व्यक्तिगत विलासिता की जगह लोक-कल्याण के काम में खर्च होना चाहिए। धन को हम लक्ष्मी-स्वरूपा मान कर पूजा करते हैं। धर्म के अनुसार धन एक शक्ति है। यह अवधारणा तभी सत्य है जब धन के उपार्जन एवं व्यय पर धर्मबुद्धि का समुचित नियन्त्रण बना रहे। अनियंत्रित व्यय पतन का कारण बन जाता है। धन विधायक शक्ति तो है ही, उसकी 'विनाशक' शक्ति और अधिक प्रचंड है। इस संबध में अपने युग के सबसे अमीर व्यक्ति अमरीकी रॉकफेलर के जीवन से हम सीख सकते हैं। आधुनिक धन कुबेर थे रॉकफलर। बाजार में जिस चीज को खरीदना शुरू करते, पूरा बाजार का बाजार खरीद डालते। उनके मुकाबले खड़े होने का साहस नहीं होता। व्यापार से अंधाधुंध धन आ रहा था। धन के अलावा कुछ भी उन्हें नहीं सूझता। उनके मित्र उन्हें घूमने-फिरने का निमन्त्रण देते। पर वे यह कह कर मना कर देते कि मेरे पास इन सब कामों के लिए समय नहीं है। ५३ वर्ष की आयु में वह चिंता का शिकार हो गये। प्रति सप्ताह लाखों डालर कमाने वाले को धन से इतना मोह हो गया कि जरा सा नुकसान भी उन्हें सहन नहीं होता। २३ वर्ष की उम्र में जब वे अपनी कम्पनी स्टैंडर्ड वैक्यूम आयल कम्पनी के मालिक नहीं बने थे, तब खूब हँसी-खुशी एवं मस्ती का जीवन जीते थे। जैसे-जैसे धन बढ़ता गया दुश्चिंताओं एवं भोग के कारण वे रोगग्रस्त हो गये। स्थिति ऐसी हो गई कि उनकी पाचन क्रिया ने जबाब दे दिया। उनका मन अशांत एवं उद्विग्न रहता और हर घड़ी विषाद एवं व्यापार में हानि की चिंता सताने लगी। उनके सब बाल उड़ गये। यौवन काल में ही वृद्धावस्था की ओर बढ़ने लगे। आखिर एक दिन ऐसा आया कि वे मृत्युशैया पर लेटे थे। बड़े-बड़े डाक्टरों ने उनका इलाज किया। कुशल मनोवैज्ञानिकों ने राय दी :

१. चिंता से दूर रहें।

२. शरीर से होने वाले मनोरंजक, रचनात्मक कार्यों में दिलचस्पी लें। बागवानी, पानी में तैरना, खुली हवा में टहलना जैसे कार्य करें।

३. शराब, जुआ, सिगरेट एवं सभी नशा छोड़ दें।

४. शान्त रहना सीखें। मन को दृढ़ बनायें।

कुछ महीनों में ही इन मनोवैज्ञानिक नुस्खों से उन्हें लाभ होने लगा। बाद में उन्होंने कहा – मै चिंता से छूटकर अब शांत, संतुलित, तृप्त और स्वस्थ जीवन जीने का नुस्खा सीख चुका हूँ। मैं चिंता के कारण मौत के जबड़े में पँहुच चुका था। पर अब निकल गया हूँ। मैंने अपने आस-पड़ोस के साधारण व्यक्तियों के जीवन तथा उनकी व्यक्तिगत समस्याओं, उनके हर्ष-विषाद, दुःख-दर्द में सहानुभूतिपूर्वक भाग लिया एवं उनके दुःख दूर करने का उपाय किया। मैने अपनी सम्पति की चिंता छोड़ दी। मुझे विश्वास हो गया कि जीवन की सुरक्षा की दृष्टि से मुझे भविष्य में कपड़ा, भोजन और सम्मान यूँही हमेशा मिलता रहेगा। इस लिये अपने व्यापार अथवा सम्पति से वर्ष में मैं कितना कमाता हूँ, कितना खर्च करता हूँ, हानि-लाभ की चिंता मैंने छोड़ दी। मैंने अनुभव किया कि पैसा कमाने से अधिक महत्वपूर्ण है उसे ठीक तरह से खर्च करना।

कितना धन मैं कमा सकता था उसकी चिंता छोड़कर, अब यह सोचने लगा कि मेरा कितना धन लोगों के सुख, शांति, सेवा, आराम और आनंद में लग सकता है। परोपकार एवं दान में मैंने करोड़ों डालर का वितरण प्रारम्भ कर दिया। अस्पतालों, अनाथों और कुशाग्र गरीब विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान की। इस प्रकार चिंता छूट गई और मुझे शांत, तृप्त एवं खुश जीवन प्राप्त हुआ। उन्होंने रॉकफेलर फाउन्डेशन की स्थापना की। ५३ वर्ष की उम्र में मृत्यु के इतने करीब आकर फिर से स्वास्थ्य-लाभ किया एवं ९८ वर्ष का दीर्घ जीवन प्रसन्न, प्रफुल्ल एवं संतुष्ट रहकर जीया। यह सब कुछ सम्भव हुआ जब उनको यह समझ आ गई कि धन ही सब कुछ नहीं है। पेन्सिलीन आदि बहुमूल्य औषधियाँ, जो आज लाखों व्यक्तियों को जीवनदान देती हैं, उसी संस्था के सहायता के कारण संभव हुई।

धन कमाने की खुशी से कहीं ज्यादा खुशी, संतोष एवं प्रफुल्लता कमाए हुए धन से दूसरों को खुशी पँहुचाने में होती है। इस संवध में एक अन्य उदाहरण हम एक नाइजीरियाई अरबपति फैमी ओटेडोला की ले सकते हैं। उनसे पूछा गया आपको ऐसी कौन सी घटना याद है जिसने आपको सबसे अधिक खुशी प्रदान

की। उन्होंने बताया – जीवन में मैं खुशी के चार चरणों से गुजर चुका हूँ और आखिरकार मुझे सच्चे सुख का अर्थ समझ में आया। पहला चरण – धन एवं साधन संचय करना था। लेकिन इस स्तर पर मुझे वह सुख नहीं मिला, जो मैं चाहता था। फिर कीमती वस्तुओं को इकट्ठा करने का दूसरा दौर आया। मैंने महसूस किया कि इन चीजों का भी अस्थायी प्रभाव रहता है एवं इनकी चमक ज्यादा दिनों तक नहीं रहती। फिर आया तीसरा दौर। उस समय नाइजीरिया और अफ्रीका में डीजल की आपूर्ति का ९५% मेरे पास था। अफ्रीका में मैं सबसे बड़ा पोत मालिक था। लेकिन वहाँ भी मुझे वह खुशी नहीं मिली, जिसकी मैने कल्पना की थी। चौथा चरण तब आया जब मेरे मित्र ने मुझे विकलांग बच्च्वों के लिये ह्वीलचेयर खरीदने को कहा। लगभग २०० बच्चे थे। दोस्त के कहने पर मैने तुरंत ह्वीलचेयर खरीद दी। लेकिन दोस्त की जिद थी कि मैं उसके साथ जाऊँ और बच्चों को ह्वीलचेयर अपने हाथों सौंपूँ। मैं उसके साथ गया। वहाँ सभी बच्चों को अपने हाथों से ह्वीलचेयर दी। उन बच्चों के चेहरे पर मैंने खुशी की अजीब सी चमक देखी। मैंने उन सभी बच्चों को व्हीलचेयर पर बैठे घूमते और मस्ती करते हुए देखा। यह ऐसा माहौल था जैसे हम किसी पिकनिक स्पाट पर पहुँच गए हों, जहाँ वे जैकपाट बाँट रहे हों। मुझे अंदर से असली खुशी हुई। जब मैने वहाँ से लौटने को हुआ तो बच्चों में से एक ने मेरी टाँग पकड़ ली। मैने धीरे से अपने पैरों को छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन बच्चे ने मेरे चेहरे को देखा और मेरे पैरों को और कसकर पकड़ लिया। मैंने झुककर उस बच्चे से पूछा – क्या तुम्हें और कुछ चाहिए? उस बच्चे ने मुझे जो जवाब दिया उसने न केवल खुशी प्रदान की बल्कि जीवन के प्रति मेरे दृष्टिकोण को भी पूरी तरह से बदल दिया। उस बच्चे ने कहा – मैं आपका चेहरा याद रखना चाहता हूँ ताकि जब मैं आपसे स्वर्ग में मिलूँ तो मैं आपको पहचान सकूँ। इस दुनिया को छोड़ने के बाद आपको किसलिये याद किया जायगा या आपको फिर कोई याद करना चाहेगा भी? यह बातें अत्यंत महत्वपूर्ण है एवं सदैव याद रखने योग्य हैं।

कहा गया है कि अगर आपको अपना दर्द महसूस हो तो आप जीवित हैं। अगर आपको दूसरे का दर्द महसूस हो तो आप इंसान है। सोचने की बात है कि जब दर्द शरीर के किसी भी हिस्से में होता तो आँखे क्यों रोती हैं। शरीर के अन्य भाग के दुख में आँख क्यों दुखी हो जाती है? हम सभी यह जानते है कि प्रत्येक व्यक्ति समाज का अंग है। इसमें एक-दूसरे के दर्द को महसूस करना ही हमारे इन्सानियत का परिचायक है। जिस समाज में व्यक्ति एक-दूसरे के दर्द को समझकर साथ नहीं देता है, वह समाज निष्प्राण है। जो व्यक्ति सिर्फ अपने काम से काम, मतलब से मतलब, रखता है वह स्वयं तो दु:खी रहेगा ही, अपने आप-पास के लोगों को भी सुख नहीं दे सकेगा। स्वस्थ समाज की सरंचना में इस भावना का होना बहुत आवश्यक है। साथ ही साथ स्वयं को प्रसन्न रखने का इससे अच्छा उपाय कुछ भी नहीं है।

अगर हम ध्यान से अपने जीवन का मूल्यांकन करें तो हम पायेंगे कि जीवन का आनंद दूसरों के साथ सहयोग करने में है। स्वकेन्द्रित जीवन अंततोगत्वा अभिशाप ही सिद्ध होती है। समाज में आज सद्भावना, सहयोग, सहकारिता एवं सहिष्णुता की भावना शनैः-शनैः कमजोर पड़ती जाती है। स्वयं की अहंतुष्टि या प्रचार के लिये किया गया सहयोग आपको सुख-शांति प्रदान नहीं कर सकता। हमारे संस्कृति भी यही कहती है – कमाओ सौ हाथ, बाँटो हजार हाथ से।

शिव कुमार लोहिया

प्रादेशिक समाचार : तेलंगाना

विशिष्ट उपलब्धि पर आई.पी.एस. अधिकारियों का सम्मान

गत ०९ जनवरी २०२२ को तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा उत्कृष्ट सेवा करते हुए विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त करने पर दो आई.पी.एस. अधिकारियों का अभिनंदन किया गया। इनमें भारत सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय में निदेशक के पद पर सेवारत श्री अशोक कुमार को ई-कोर्ट मिशन प्रोजेक्ट पर डिजीटल ट्रांसफर्मेशन के लिए प्रोसेस रिइंजीनियरिंग में श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष २०२०-२१ के लिए दो लाख रुपये की पुरस्कार राशि सहित स्वर्ण पदक भारत सरकार द्वारा प्रदान किया गया था। वहीं सुपरिंटेंडेंट, साइबर क्राईम, शिमला के पद पर तैनात श्री रोहित मालपानी राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस में सी.सी.टी.वी. सर्विलेंस मेट्रिक्स का उपयोग करते हुए थर्ड आई आधारित पुलिस निरीक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए भारत सरकार द्वारा एक लाख रुपये की पुरस्कार राशि और रजत पदक से अलंकृत हुए थे। चित्र में (बायें से) तेलंगाना सम्मेलन के महामंत्री श्री रामपाल अट्टल, श्री रोहित मालपानी, आई.पी.एस., तेलंगाना सम्मेलन के अध्यक्ष श्री रमेश कुमार बंग, श्री अशोक कुमार, आई.पी.एस. एवं तेलंगाना सम्मेलन के प्रचार मंत्री श्री रामप्रकाश भंडारी।

L K SINGHANIA EDUCATION CENTRE

Gotan, Dist. Nagaur, Rajasthan, INDIA

10+2 CBSE Affiliated Residential School for Boys & Girls

ISO 9001, 14001 & 22000 Certified by LRQA, UK
Member INDIAN PUBLIC SCHOOLS' CONFERENCE
Participating Institution in the UNESCO ASP Net

ROUND SQUARE
ROUND SQUARE MEMBER SCHOOL

Ranked No.1 in Rajasthan
& No.6 in India in the category of 'Top 20 Day-Cum-Boarding Schools'
in a survey conducted by
Educationtoday.co

ADMISSION OPEN
For Classes I to IX & XI
Session 2022 - 23

Distinctive Features

- 250 acres of beautifully landscaped campus
- Around 1000 boarders from different parts of the country
- Trained committed teachers
- State-of-the-art Laboratories and Libraries
- Absolute homely boarding facilities for students
- Air-conditioned classrooms and dining halls
- World- class sports facilities for indoor and outdoor games
- Purely hygienic vegetarian mess facility with pure cow milk
- Go-karting facility
- 100 bed dispensary with all modern medical equipments along with Pathology lab for special test like Vitamin D3, Thyroid etc.
- School's own Dairy, RO Water Plant, Bakery, Agr.farm & Laundry
- ISO 9001, 14001 & 22000 Certified by LRQA, U.K.
- Recipient of British Council International School Award (ISA) 2017 - 2020
- Member IPSC & Participating Institution in the UNESCO, ASP Net
- Olympic size fully roofed and protected all-weather swimming pool
- Entire campus is under surveillance with CCTV cameras

20 March, 2022
DALTONGANJ
-HOTEL SHIVAY BLUE

21 March, 2022
RANCHI
-HOTEL THE RASO

23 March, 2022
KODERMA
-THE CENTRAL SQUARE

24 March, 2022
DEOGHAR
-IMPERIAL HEIGHTS

26 March, 2022
BERHAMPORE
-THE FAME

28 March, 2022
KOLKATA
-THE SAMILTON

For above admission centres contact :

R K Mahapatra
9414586847

Biplab Agasty
9602414050

Call us at:
01591-231022, 231077
+91 9413427404 / +91 9784594396

fax: 01591-231075
email: info@lksec.org

www.lksec.org
/lksecgotan

Sponsored by:

JKcement J K WHITE CEMENT WORKS, GOTAN
(ISO-9001, ISO-14001, ISO-45001, ISO-50001 & SA-8000 Certified)

WhitesMax X

Totally Committed to Product Excellence, Customers' Service and Social Responsibilities

अध्यक्षीय

नववर्ष मंगलमय हो हमारा – अमर रहे गणतंत्र हमारा!

– गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

स्नेही-सुधी बन्धुगण,

नववर्ष पर अभिनन्दन! नववर्ष मंगलमय हो! आज हर व्यक्ति के मन में यह आकांक्षा है कि हमारा नववर्ष मंगलमय हो, पर यह कैसे होगा – इसके लिए सदेच्छा एवं सद्प्रयास होना चाहिए। यह माह बहुत महत्वपूर्ण है। भगवान सूर्य देव उत्तरायण में मकर राशि में प्रवेश करेंगे, इसे ही मकर संक्रांति कहते हैं। ऐसा कहा जाता है कि उत्तरायण काल के शुक्ल पक्ष में दिन के उजाले में मृत्यु होने से बार-बार के आवागमन से मुक्ति मिलती है। महाभारत काल में भीष्म पितामाह को इच्छामृत्यु का वरदान प्राप्त था। उन्होंने शरशय्या पर घोर कष्ट सहते हुए भी अपनी मृत्यु के लिए सूर्य के उत्तरायण में आने की प्रतीक्षा की। पूरे राष्ट्र में मकर संक्रांति का यह पर्व अलग-अलग नाम एवं विलग-विलग तरीकों से मनाया जाता है। खिचड़ी एवं पतंग उड़ाना इस पर्व की विशिष्ट पहचान है। तिलकुट का सेवन इस काल में शुभ एवं स्वास्थ्यप्रद माना जाता है। बिहार में दही-चूड़ा का सेवन प्रमुख स्थान रखता है। राजस्थान के लोगों में घेवर का प्रचलन बहुत है। प्रवासी मारवाड़ी भी इस काल में घेवर का स्वाद बड़े चाव से चखते हैं।

स्वतन्त्रता-संग्राम के एक महानायक नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का जन्म भी इसी माह २३ जनवरी १८९७ को कटक शहर के एक संभ्रांत बंगाली परिवार में हुआ था। हमारी स्वतन्त्रता में उनका विशिष्ट योगदान रहा है। १९२० में ICS (आजकल IAS) की परीक्षा वरीयता क्रम में चौथे स्थान पर रहकर पास की। चूँकि अंग्रेजों की गुलामी उन्हें पसन्द नहीं थी इसलिए १९२१ में ICS से त्यागपत्र दे दिया। उनका यह विश्वास था कि अहिंसा से आजादी प्राप्त नहीं की जा सकती है और महात्मा गांधी अहिंसा छोड़ने वाले नहीं थे। दोनों के विचारों में मूलभूत अन्तर था। इस विचारभिन्नता के फलस्वरूप कांग्रेस के अध्यक्ष पद का उन्होंने त्याग कर दिया एवं फारवर्ड ब्लॉक के नाम से अपनी अलग पार्टी का गठन किया। द्वितीय विश्वयुद्ध का एलान हो चुका था और नेताजी १९४१ की शुरूआत में ही देश छोड़कर विदेश चले गये। १९४२ में एक आस्ट्रियन महिला एमिली शेंकल से उन्होंने हिन्दू पद्धति से विवाह किया। उससे उन्हें एक लड़की हुई जिसका नाम उन्होंने अनिता बोस रखा। देश के बाहर उन्होंने पहले सिंगापुर फिर जापान में आजाद हिन्द फौज की स्थापना की। कहा जाता है कि इसमें ८५,००० सैनिक थे। आजाद हिन्द फौज ने कुछ भारतीय प्रदेशों पर आक्रमण कर अंग्रजों से मुक्त भी कराया था तथा वहाँ तिरंगा फहराया था। इस बीच नेताजी ने अपना रेडियो स्टेशन बनाया, अपनी करेंसी जारी की, अपनी सरकार बनाई। कोहिमा पर युद्ध बहुत संघर्षपूर्ण रहा तथा काफी लम्बे समय तक चला। वहाँ नेताजी को काफी नुकसान उठाना पड़ा। बरसात का समय था, भूमि दलदली थी। ६ जुलाई १९४४ को नेताजी ने रेडियो रंगून से महात्मा गांधी के नाम का एक प्रसारण जारी करके उनसे आर्शीवाद एवं शुभकामनाएँ माँगी थी। आजाद हिन्द रेडियो पर अपने भाषण के माध्यम से नेताजी ने गांधी जी को सम्बोधित करते हुए जापान से सहायता लेने पर अपना पक्ष, स्वाधीन भारत की अंतरिम सरकार की स्थापना, आजाद हिन्द फौज की स्थापना के उद्देश्य के बारे में बतलाया। १८ अगस्त १९४५ नेताजी जिस विमान पर सवार थे वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। वह ओवरलोड था। यह दुर्घटना जापान अधिकृत फार्मोसा (वर्तमान ताईवान) में हुई थी। उस हादसे में नेताजी बच गये या मारे गये थे इसके बारे में आज तक कुछ भी स्पष्ट नहीं हो पाया है। उनका शव नही मिलने की वजह से उनकी मौत पर विवाद बरकरार रहा।

नेताजी के बारे मे ये सब बातें आप सब जानते है। यहाँ इनको उद्धृत करने का मेरा उद्देश्य यही है कि आदमी दृढ़ संकल्प के साथ कुछ भी कर सकता है। कुछ भी असम्भव नहीं है। हमें भी अपने मनोभाव ऐसे ही रखने चाहिए तभी सफलता मिलती है। भारत सरकार ने भी नेताजी के जन्म के १२५ वर्ष पूरे होने पर उन्हें अपार सम्मान दिया है। इंडिया गेट पर उनकी मूर्ति की स्थापना महत्वपूर्ण है। गणतन्त्र दिवस समारोह इस बार नेताजी के जन्म दिन २३ जनवरी से ही शुरू किये गये।

२६ जनवरी के दिन ही राष्ट्र को अपना संविधान मिला जो विश्व को सबसे बड़ा लिखित संविधान है। संविधान की प्रारूप समिति का अध्यक्ष डॉ. भीमराव अम्बेडकर को बनाया गया। संविधान सभा में ३०८ सदस्य थे जिन्होंने संविधान बनाने हेतु १६६ बार बैठकें की। भारतीय गणतन्त्र की प्रगति की यात्रा अनवरत स्वर्णिम भविष्य की ओर है। स्वतन्त्रता के अमृत महोत्सव के वर्ष में इस बार गणतन्त्र दिवस मनाया जा रहा है। महान त्याग एवं बलिदान से हासिल की गई स्वतन्त्रता को स्थायी आधार देने वाले संविधान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता सत्य और निष्ठा से परिपूर्ण होनी चाहिए। संविधान ने नागरिकों के मूल अधिकारों को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है। वहीं जिम्मेदार नागरिक के नाते हमारे कर्तव्य भी हैं। अधिकारों एवं दायित्वों का समुचित सामंजस्य ही देश की उन्नति का मूल मंत्र है। राष्ट्रीयता की भावना के बिना कोई राष्ट्र प्रगति नहीं कर सकता। हमारी लोकतान्त्रिक व्यवस्था विश्व के समक्ष एक उदाहरण है। हमारे साथ-साथ या आसपास स्वतन्त्र हुए बहुत से देशों में लोकतन्त्र धराशायी हो गया। हमें गर्व है अपनी लोकतान्त्रिक व्यवस्था पर लेकिन नैतिक मूल्यों का क्षरण जरूर चिन्ता का विषय है। सुशिक्षित गरिमाशाली व्यक्तियों का राजनीति में आना जरूरी है। तभी सुधार की उम्मीद की जा सकती है। उग्रवादी एवं आतंकवादी घटनायें हमें विकास से विनाश की ओर ले जा रही हैं। इनको सख्ती से कुचलना नितान्त आवश्यक है। बूँद-बूँद से तालाब भरता है, अतः सभी लोगों को देश के विकास में अपना सहयोग देना चाहिए।

इस बार का गणतंत्र दिवस हमारे लिए विशेष सुखद एवं प्रसन्नतादायक है। हमारे पूर्व अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय जी अग्रवाल को पद्मश्री अलंकार से सम्मानित करने की घोषणा हुई है। आदरणीय प्रह्लाद जी को मेरी ओर से बहुत-बहुत बधाई एवं उनके दीर्घायु होने एवं अच्छे स्वास्थ्य की मंगलकामनाएँ। दूसरी खुशी यह है कि समाज के ही एक बहुत ही धर्मपरायण व्यक्ति स्व. राधेश्याम खेमका जो गीताप्रेस, गोरखपुर के ट्रस्ट के अध्यक्ष भी थे तथा बहुत वर्षों तक कल्याण मासिक पत्रिका का सम्पादन भी किया, उनको मरणपरान्त पद्मविभूषण से अलंकृत किया गया। मन में बहुत हर्ष हो रहा है। अपने समाज के कुछ और लोग भी पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किये गये हैं। यह हमारे लिये गर्व की बात है।

राष्ट्र के साथ-साथ आप सभी की भी समृद्धि एवं सफलता की कामना करता हूँ। आप स्वस्थ रहें!

जय समाज जय राष्ट्र!

संगठन का कोई विकल्प नहीं : भानीराम सुरेका

'चाहे परिवार हो, समाज या राष्ट्र, संगठित रहना आज समय की माँग है। संगठन से कठिन कार्य भी सरल हो जाते हैं। स्वाधीनता संग्राम में जाति-धर्म-सम्प्रदाय से उपर उठकर, एकजुटता के साथ पूरा देश खड़ा हुआ, तो हमें सफलता मिली। आज राष्ट्र और समाज के विकास के लिए हम सबको संगठित प्रयास करना है।' ये विचार अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री भानीराम सुरेका** ने राष्ट्र के ७३वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह का सभापतित्व करते हुए व्यक्त हुए। उन्होंने पहले सम्मेलन के पदाधिकारियों–सदस्यों के साथ शेक्सपीयर सरणी के डकबैक हाउस स्थित केन्द्रीय कार्यालय भवन के समक्ष झंडोत्तोलन किया, तत्पश्चात् राष्ट्रीय गान हुआ और सम्मेलन सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्री सुरेका ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों के आलोक में कोरोना–राहत सेवाकार्य अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और पूरे देश में सम्मेलन की शाखाएँ इस हेतु प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने राँची से सम्मेलन के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को शुभकामनाएँ प्रेषित की। उन्होंने अपने संदेश में अधिकारों के साथ–साथ अपने कर्त्तव्यों के प्रति भी सजग रहने का आह्वान किया – **जहाँ अधिकारों के बिना कर्त्तव्य दासता है, वहीं दायित्वों के बिना अधिकार निरंकुशता।**

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने सैकड़ों रियासतों को एक माला में पिरोकर इस देश की नींव रखी और हमारे गणतंत्र की स्थापना की। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता–प्राप्ति के बाद हमने बहुत प्रगति की है किन्तु अभी बहुत कुछ करना बाकी है। संसाधनहीन लोगों की सहायता और अमीरों तथा गरीबों के बीच की खाई को पाटने के लिए हर कदम उठाना हमारा राष्ट्रीय कर्त्तव्य है।

समारोह का संचालन करते हुए राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने बताया कि भारत सरकार ने सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला को पद्मश्री** एवं गीताप्रेस के संस्थापकों में से एक **स्वर्गीय राधेश्याम खेमका को पद्मविभूषण** से सम्मानित करने की घोषणा की है। सभा ने करतल ध्वनि से हर्ष व्यक्त किया और श्री प्रह्लाद राय जी को बधाइयाँ दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन गाड़ोदिया ने भी अपने संदेश में उन्हें बधाइयाँ प्रेषित की।

श्री सावर धनानिया ने कहा कि हर तबके को साथ लेकर चलने से समाज ने उन्नति प्राप्त की है। **श्री आत्माराम सोंथलिया** ने स्वतंत्रता संग्राम में मारवाड़ियों के योगदान का स्मरण कराया। उन्होंने कहा कि अब भी राष्ट्र और समाज के समक्ष समस्याएँ है और समयानुसार इनका हल भी निकलेगा, हमें प्रयास करते रहना चाहिए।

पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने कहा कि गणतंत्र दिवस अपने दायित्वों को समझने का अवसर है। हम देश को माँ कहते हैं तो माँ के प्रति अपने दायित्वों को समझना होगा। पश्चिम बंग सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नंद किशोर अग्रवाल** ने कहा कि एक नागरिक के रूप में अपने दायित्वों का निवर्हन एक विचारणीय प्रश्न है।

विदुषी **श्रीमती ममता बिनानी** ने कहा कि समाज से ही सब कुछ मिलता है, बदले में समाज के लिए कुछ करना हमारा नैतिक

दायित्व है। संयुक्त परिवारों की घटती संख्या पर चिंता प्रकट करते हुए उन्होंने कहा कि आपसी समन्वय एवं सामंजस्य से घर, समाज या देश सफलतापूर्वक चलाया जा सकता है। जरूरी है कि हम स्वतंत्रता के साथ-साथ परस्पर-निर्भरता को भी समझें।

हिन्दुस्तान क्लब के वाइस प्रेसिडेंट **श्री नरेन्द्र तुलस्यान** ने युवक-युवतियों को सम्मेलन के साथ जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। **श्री किशन किल्ला** ने संविधान से प्रतिबद्धता को आवश्यक बताया। **श्री नंदलाल सिंघानिया** ने कहा कि अपनी भावी पीढ़ियों को उनको कर्त्तव्यों के प्रति सचेत रखना हमारा दायित्व है। हमारी सभ्यता-संस्कृति और इतिहास का उन्हें सम्यक ज्ञान हो इसके लिए हमें हर सम्भव प्रयत्न करना चाहिए।

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री गोपाल अग्रवाल, श्री के.के. सिंघानिया, श्री केदारनाथ गुप्ता,** आदि ने भी अपने संक्षिप्त विचार रखे और सभी को गणतंत्र दिवस की बधाइयाँ दी। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री दामोदर बिदावतका** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया। समारोह में सर्वश्री पवन कुमार जालान, अरुण प्रकाश मल्लावत, अमित मूँधड़ा, बाबूलाल बंका, अनिल कुमार पोद्दार, रमेश कुमार बूबना, शंकर कारीवाल, प्रकाश किला, शंभु मोदी, संजीव केडिया, संजय शर्मा, प्रमोद गोयनका, संदीप सेकसरिया सहित गणमान्य समाजबंधु उपस्थित थे।

पद्मश्री से विभूषित होंगे प्रह्लाद राय अगरवाला

२७ फरवरी २०२२; कोलकाता : राष्ट्र के ७३वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला को पद्मश्री से सम्मानित करने की भारत सरकार की घोषणा के बाद सम्मेलन के राष्ट्रीय पदाधिकारीगण श्री अगरवाला से मिले और उन्हें बधाइयाँ दी। चित्र में (बायें से) उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका, कोषाध्यक्ष श्री दामोदर बिदावतका, संयुक्त महामंत्रीद्वय श्री गोपाल अग्रवाल एवं श्री सुदेश अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष श्री संतोष सराफ एवं पूर्व अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला।

स्व. राधेश्याम खेमका : सनातन साहित्याकाश के देदीप्यमान नक्षत्र

– रतन लाल बंका
राँची, झारखण्ड

२६ जनवरी २०२२ की पूर्व संध्या पर जब स्वर्गीय राधेश्याम जी खेमका के मरणोपरांत पद्म विभूषण पुरस्कार हेतु चयन की सूचना मिली तो मन आश्चर्यचकित हर्ष से उद्वेलित हो उठा। जिस व्यक्ति ने अपना सारा जीवन भारतीय संस्कृति एवं अध्यात्म की रक्षा, पोषण एवं संवर्धन में लगा दिया हो ऐसे व्यक्ति को इतना शिखर सम्मान आज तक नहीं दिया गया। इसलिए आश्चर्य होना तो लाजमी है, साथ ही हर्ष भी है कि ऐसे व्यक्ति का पद्म विभूषण सम्मान के लिए चयन हुआ। उन्होंने अपना पूरा जीवन गीता प्रेस को समर्पित कर दिया था। गीता प्रेस ट्रस्ट बोर्ड के वे अंतिम सांस तक अध्यक्ष रहे। गीता प्रेस के नाम से आज हर भारतीय परिचित है जिसने सनातन धर्म संस्कृति को संरक्षित रखा है। गीता प्रेस से प्रकाशित होने वाली मासिक पत्रिका कल्याण का उन्होने १९८२ से जीवनपर्यंत संपादन किया। गीता प्रेस की पुस्तकें कई भाषाओं में प्रकाशित होती हैं और बहुत ही कम मूल्य में सुलभ कराई जाती हैं।

आज पूरा मारवाड़ी समाज, बिहार प्रदेश जहाँ बढ़ैया में उनका जन्म हुआ था, मुंगेर जहाँ उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की थी तथा उत्तर प्रदेश जो उनकी कर्मभूमि रहा है, उनके इस सम्मान के लिए चयनित होने पर गौरान्वित अनुभव कर रहा है। उनका बचपन बढ़ैया में ही बीता। उनका पुराना घर जो आज दूसरे के स्वामित्व में है, गोपाल मंदिर के सामने वार्ड नंबर १५ जगदंबा पथ पर आज भी स्थित है। बाद में उनके पिता जी और चाचाजी मुंगेर रहने लगे जो जिले का हैडक्वाटर था और वहीं पर व्यापार करने लगे। स्वर्गीय राधेश्याम जी खेमका का जन्म १२ दिसंबर १९३५ को बढ़ैया में हुआ था। उनके पिता का नाम सीताराम खेमका तथा चाचा का नाम मनसुखराम खेमका या जिन्होंने मुंगेर में अपना व्यवसाय फैलाया। करीब ९० साल पहले उनके पिता सीताराम जी खेमका राजस्थान के फतेहपुर शहर से व्यापार करने हेतु बिहार के मुंगेर जिले में आकर बस गए और मुंगेर में अपना व्यापार शुरू किया। फतेहपुर में अभी भी उनकी हवेली और नोहरा है तथा उनकी कुलदेवी का मंदिर भी है। इनका परिवार फतेहपुर आता जाता रहता है। इनका फतेहपुर से अभी भी संपर्क बना हुआ है। राधेश्याम जी की प्रारंभिक शिक्षा मुंगेर में हुई तथा उच्च शिक्षा बनारस में हुई। मुंगेर के बाद इनका परिवार १९५६ से स्थाई रूप से काशी में निवास करने लगा। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से खेमका जी ने संस्कृत में स्नातकोत्तर तथा साहित्य रत्न की परीक्षाएँ उत्तीर्ण की। कानून की भी आपने पढ़ाई की थी। व्यवसाय के क्षेत्र में आपने कागज का व्यापार शुरू किया। आपके पिता स्वर्गीय सीताराम खेमका सनातन धर्म के कट्टर अनुयायी थे तथा गोरक्ष आंदोलन में भी आपकी सशक्त भूमिका रही थी। आपकी माताजी एक धर्मपरायण गृहस्थ महिला थी। आपके पिताजी की धार्मिक प्रवृत्ति एवं आध्यात्मिक सक्रियता के फलस्वरूप आपको संतों का सान्निध्य एवं सत्संग का अवसर बराबर मिलता रहा। व्यवसाय के साथ-साथ आपका स्वाध्याय, सत्संग एवं संत समागम निरंतर चलता रहा। आपका संस्कृत, हिंदी एवं अंग्रेजी भाषाओं पर पूर्ण अधिकार था। स्वामी करपात्री जी, शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी, पुरी के शंकराचार्य स्वामी निरंजन देव तीर्थ जी और वर्तमान पीठाधीश्वर स्वामी निश्चलानंद जी, भागवत कथा मर्मज्ञ संत डॉगरेजी महाराज जैसे संतों से आपका संपर्क, सान्निध्य एवं संवाद सदैव बना रहा। गीता प्रेस के संस्थापक भाई श्री हनुमान प्रसाद जी पोद्दार की सुपुत्री के साथ आप विवाह बंधन में बँधे। आपके दो पुत्र कृष्ण कुमार खेमका और राजाराम खेमका है तथा एक पुत्री राजेश्वरी देवी है।

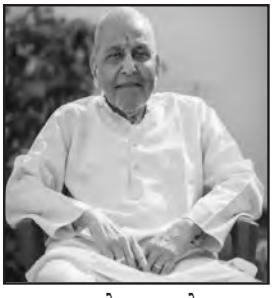

स्व. राधेश्याम खेमका

स्वनामधन्य राधेश्याम जी खेमका २०१४ से अपनी अंतिम सांस लेने तक गीता प्रेस ट्रस्ट बोर्ड के चेयरमैन रहे। १९२३ में जयदयाल जी गोयनका एवं हनुमान प्रसाद जी पोद्दार ने धार्मिक पुस्तकों के प्रकाशन हेतु गीता प्रेस की स्थापना की। यह संस्था आज वट वृक्ष का रूप ले चुकी है और अपने सिद्धांतों पर अडिग रहते हुए उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। अगला वर्ष गीता प्रेस का शताब्दी वर्ष है। अपने निधन के पहले तक खेमका जी शताब्दी वर्ष के महोत्सव की तैयारियों में लगे हुए थे। इन दिनों काशी में ही उनका निवास रहता था, मात्र कामकाज के सिलसिले में गोरखपुर आया करते थे। कई दशकों से जल के रूप में गंगाजल ही ग्रहण करते थे।

राधेश्याम जी ने गीता प्रेस में अनेक धार्मिक पुस्तकों का संपादन किया। आपने ही गीता प्रेस से प्रकाशित होने वाली अनेक पुस्तकों के प्रकाशन का सुझाव दिया था। कर्मकांड व संस्कारों से संबंधित पुस्तकें यथा नित्य कर्म पूजा प्रकाश, अंन्त्यकर्म श्राद्ध प्रकाश, गया श्राद्ध पद्धति, त्रिपिंडी श्राद्ध पद्धति, संस्कार प्रकाश, गरुड़ पुराण, सारोद्धार व जीवच्छ्राद्ध पद्धति आदि का प्रकाशन करके सनातन धर्म की आपने अनन्य सेवा की है। वाराणसी में मारवाड़ी सेवा संघ, मुमुक्षु भवन, श्री राम लक्ष्मी मारवाड़ी अस्पताल गाड़ोलिया, बिरला अस्पताल मच्छोदरी, काशी गौशाला ट्रस्ट, बाबा विश्वनाथ मंदिर आदि संस्थाओं में आप सदैव अपनी अमूल्य सेवाएँ देते रहे हैं। कल्याण के सभी ९५ विशेषांको से १०० महत्वपूर्ण लेख चयन करके एक स्वतंत्र ग्रंथ प्रकाशित करने की भी आपने अपनी सहमति प्रदान की थी। बढ़ैया और मुंगेर से आपका संपर्क एवं नाता बराबर बना रहा। वहाँ पर आपने मंदिर एवं पनशालाएँ बनवाई। २००२ में आपने काशी में वैद विद्यालय की स्थापना की। कई महापुराण एवं कर्मकांड के दुर्लभ ग्रंथों के प्रमाणिक संस्करणों का संपादन कर उन्हें प्रकाशित कराया।

शुक्रवार दिन के १२:०० बजे ३ अप्रैल २०२१ को आपने इस नश्वर देह को काशी के केदार घाट पर त्याग कर वैकुंठ लोक के लिए गमन किया। ऐसे महामानव कभी-कभी ही धरती पर आते है और अपने प्रकाश पुंज से धरती को आलोकित करके अपने धाम चले जाते है। उनके निधन पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, यूपी के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ सहित अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने शोक व्यक्त किया। भारत सरकार द्वारा मरणोपरांत पद्मविभूषण हेतु उनका चयन उनको सच्चा सम्मान एवं श्रद्धांजलि है।

COMPLETE ELECTRICAL SOLUTION
GARODIA
ELECTRICAL WIRES
FANS AND LIGHTS
LT PANEL, CABLE TRAY AND TRANSFORMER
WE MANUFACTURE
POWER TRANSFORMER
DISTRIBUTION TRANSFORMER
LT ELECTRICAL PANEL
PERFORATED CABLE TRAY
LADDER-TYPE CABLE TRAY
GARODIA ENTERPRISES
AARNAV POWERTECH
MARKET ROAD EAST, UPPER BAZAR
RANCHI - 834 001, JHARKHAND
www.aarnavpowertech.com
garodia@garodiagroup.com
0651-2205996

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

To your taste buds, with love...

Refreshingly, yours.

Indulgently, yours.

Addictively, yours.

Spicily, yours.

Healthily, yours.

Nourishingly, yours.

Delightfully, yours.

Obsessively, yours.

Temptingly, yours.

Passionately, yours.

Snackingly, yours.

Yours Tastefully Anmol™

celebrating 25 years

BISCUITS

www.anmolindustries.com | Follow us on:

PHONEX ROADWINGS

STEVEDOR & SHORE HANDLING AGENT

Our Services

- Port Stevedoring & Cargo Handling of Both Bulk Break bulk cargo
- Shipping / Steamer Handling Agent
- Road Transportation
- In bound & Out bound Logistics
- Container Freight Services

A-1/46/1, New Paharpur Road,
Rabindranagar, Kolkata – 700 066
E-mail : phonex.roadwings@gmail.com
roadwingsinternational@gmail.com

PIC - Nikunj Gourisaria , Mob. 9833933729, E-mail : nikunj.gourisaria@gmail.com

युवा वर्ग बढ़ा रहा समाज का गौरव : गोवर्धन गाड़ोदिया

'उद्योग-व्यापार की अपनी पारम्परिक परिधि से बाहर निकल कर आज मारवाड़ी युवक-युवतियाँ चार्टर्ड एकाउंटेंट, वकालत, चिकित्सा, प्रशासनिक सेवाओं, खेल, आदि हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और परिश्रम के बल सफलता का परचम लहरा रहे है। यह हम सब के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। ये विचार अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने गत २२ जनवरी को जूम ऐप के माध्यम से आयोजित सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में व्यक्त किए। सी.ए. की परीक्षा में देश भर में प्रथम सुश्री नंदिनी अग्रवाल, जे.ई.ई. एडवांस्ड में पूरे देश के टॉपर श्री मृदुल अग्रवाल, यू.पी.एस.सी. में टॉप फाईव में आने वाले सुश्री अंकिता जैन और श्री यश जालुका, आदि की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जिससे किसी भी समाज तथा देश की दशा और दिशा बदली जा सकती है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि कोई भी बालक-बालिका शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि समाज के हर तबके को अपने साथ जोड़ना और समाज के हर परिवार तक पहुँचना सम्मेलन के लक्ष्यों में है।

बैठक में सर्वप्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गाड़ोदिया ने सभी उपस्थितों का स्वागत किया और सम्मेलन की हालिया गतिविधियों के विषय में संक्षेप में बताया। कोरोना की तीसरी लहर के दौरान पूरे देश में सम्मेलन की प्रादेशिक एवं स्थानीय शाखाओं द्वारा किए जा रहे सेवाकार्यों के लिए समाज के कोरोना-योद्धाओं का साधुवाद व्यक्त करते हुए उन्होंने सभी उपस्थितों से संक्रमण से बचाव के लिए आवश्यक एहतियात बरतने और यथासम्भव सभी को इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने सम्मेलन के संगठन-विस्तार पर हर्ष व्यक्त किया एवं कोरोनाकाल के दौरान पूरे देश में किए जा रहे सेवाकार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सामाजिक संस्थाओं के समक्ष विभिन्न प्रकार की चुनौतियाँ आती रहती हैं और आपसी विचार-विमर्श से रणनीति बनाकर इनका सामना करना चाहिए।

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री कपिल लाखोटिया** ने एक वैचारिक मंच के रूप में समाज सुधार के क्षेत्र में सम्मेलन की उपलब्धियों को युगांतरकारी बताया और कहा कि युवा मंच सम्मेलन के हर कार्यक्रम में सब तरह से साथ है।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने कार्यकारिणी समिति की पिछली बैठक का कार्यवृत प्रस्तुत किया जो सर्वसम्मति से पारित हुआ। सम्मेलन की हालिया गतिविधियों के विषय में बताते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों के आलोक में हम अपनी ऊर्जा और संसाधन मुख्यतः कोरोना सेवाकार्यों पर केन्द्रित कर रहे हैं।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने प्रादेशिक शाखाओं के संविधान में एकरूपता के विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। सम्मेलन की प्रादेशिक शाखाओं के अध्यक्षों **श्री ओमप्रकाश अग्रवाल** (झारखंड), **श्री महेश जालान** (बिहार), **श्री गोविन्द अग्रवाल** (उत्कल), **श्री अशोक मूँधड़ा** (तमिलनाडु), **डॉ. सुभाष अग्रवाल** (कर्नाटक), **श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया** (छत्तीसगढ़), **श्री ओमप्रकाश खंडेलवाल** (पूर्वोत्तर), **श्री गोकुलचंद बजाज** (गुजरात), **श्री नंद किशोर अग्रवाल** (पश्चिम बंग) ने इस चर्चा में भाग लिया और अपने-अपने प्रांतों में किए जा रहे सेवाकार्यों के विषय में भी बताया। सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण **श्री भानीराम सुरेका, श्री पवन कुमार सुरेका, श्री अशोक कुमार जालान एवं श्री विजय कुमार लोहिया**, राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री बसंत मित्तल**, वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोन्थलिया**, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया, श्री मधुसूदन सीकरिया, श्री शिव कुमार टेकरीवाल, श्री राजकुमार केडिया** और **श्री अशोक केडिया** ने भी प्रादेशिक संविधानों में एकरूपता सहित विभिन्न विषयों पर अपने संक्षिप्त विचार प्रकट किए।

बैठक में हाल में ही दिवंगत हुए सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्वोत्तर सम्मेलन के अध्यक्ष **स्व. ओंकारमल अग्रवाल को मौन श्रद्धांजलि** दी गई। उनके विषय में बताते हुए राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने कहा कि स्व. ओंकारमल जी राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रादेशिक सम्मेलन के बीच सेतु की भूमिका निभाते थे।

बैठक के अंत में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया। बैठक में सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्रीद्वय श्री गोपाल अग्रवाल एवं श्री सुदेश अग्रवाल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, केरल सम्मेलन के अध्यक्ष श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल, सर्वश्री अनिल कुमार जाजोदिया, भागचंद पोद्दार, कमल नोपानी, बिनोद तोदी, डॉ. सावर धनानिया, रतन लाल बंका, प्रो. ओम प्रकाश प्रणव, जयदयाल अग्रवाल, अशोक गुप्ता, राजकुमार तिवाड़ी, उमेश शाह, जगदीश प्रसाद शर्मा, ओमप्रकाश पोद्दार, गौरीशंकर अग्रवाल, जगदीश गोलपुरिया, केदारनाथ गुप्ता, विश्वनाथ भुवालका, श्रीमती सुषमा अग्रवाल सहित पूरे देश से सम्मेलन के पदाधिकारी-सदस्य उपस्थिति थे।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : जनवरी २०२२ की गतिविधियाँ

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा घोषित प्रान्तीय कार्यक्रम "**स्वच्छ बेटियाँ : स्वस्थ समाज**" अभियान के अन्तर्गत सीतामढ़ी, पुपरी, सुगौली और मधेपुरा शाखाओं के द्वारा चयनित महिला माध्यमिक विद्यालयों में सेनेटरी पैड वैडिंग मशीनें संस्थापित की गई।

मिशन बागवान के क्रम को आगे बढ़ाते हुए श्री राम कुमार हिसारिया, सम्मेलन के पूर्व महामंत्री प्रो. विश्वनाथ अग्रवाल एवं श्रीमती ज्ञानवती देवी अग्रवाल, श्रीमती उमा देवी एवं श्री रामानंद ड्रोलिया, श्रीमती गायत्री देवी एवं श्री कैलाश प्रसाद बंका, श्रीमती शांति देवी गोयल, श्रीमती प्रभा देवी एवं श्री ओम प्रकाश बंका, पटना नगर शाखा के पूर्व मंत्री श्री सुरेश प्रकाश गुप्ता, श्रीमती सीता देवी एवं श्री विश्वनाथ झुनझुनवाला जी को सम्मानित किया गया।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रादेशिक कार्यालय सहित अनेक शाखाओं में ध्वजारोहण, भोजन तथा शिक्षण सामग्री वितरण एवं देशभक्ति से परिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न हुए। प्रांतीय कार्यक्रम अन्नपूर्णा की रसोई निरंतर संचालित हो रहा है।

गणतंत्र दिवस अनुपालन

पुपरी शाखा के द्वारा चयनित विद्यालय में सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना

मिशन बागवान के अन्तर्गत श्रीमती गायत्री देवी – श्री कैलाश प्रसाद बंका का सम्मान

मिशन बागवान के अन्तर्गत श्रीमती शांति देवी गोयल का सम्मान

मिशन बागवान के अन्तर्गत श्रीमती सीता देवी – श्री विश्वनाथ झुनझुनवाला का सम्मान

महिला 'सामान' नहीं, सम्मान की हकदार है!

– सीताराम शर्मा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

कुछ दिन पहले दिल्ली में एक युवा महिला के साथ जो हुआ वह केवल इसलिए घिन पैदा नहीं करता कि जो हुआ वह घृणित था बल्कि इसलिए भी कि यह महिलाओं के आगे आने व कुछ करने के, पहले से ही तंग रास्तों को कुछ और संकरा बना देता है। यह उन्हें पीछे खींचने के लिये हर वक्त तैयार रहने वालों को एक बड़ा मौका देता है। देश की राजस्थानी दिल्ली में युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की जो घटना घटी उसने हम सभी को शर्मिंदा कर दिया है। रोंगटे खड़े कर देने वाली इस घटना से दिल्ली पहल उठी और तब जाकर सरकार जागी लेकिन बलात्कार की शिकार युवती को मौत के मुँह में जाने से नहीं बचाया जा सका।

हमारे समाज में एक तरह की सामंतवादी और मर्दवादी सोच गहरे तक बैठी हुई है। आम आदमी की बात दूर, यहाँ तक कि नेताओं, पुलिस, मुखियाओं से लेकर मुख्य न्यायाधीशों तक सभी ने महिलाओं के बारे में खेदजनक टिप्पणियाँ की है। समाज में महिलाओं की स्थिति में बड़ा परिवर्तन घटा है। इस ओर राजा राममोहन राय, ज्यतिबा फूले, ईश्वरचन्द्र विद्यासागर जैसे महापुरुषों ने स्त्रीउत्थान के क्षेत्र में महात्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समाज सुधार में योगदान उन अनगिनत पुरुषों का भी है जिन्होंने जाने-अनजाने अपने आस-पास की महिलाओं के जीवन में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का उजाला बिखेरा है। जिन्होंने सामाजिक दबाव के बावजूद अपने घरों में बेटियों का जन्म होने दिया, खस्ताहाली के बावजूद उन्हें स्कूल पढ़ने भेजा और शादियों में दहेज न लेने का फैसला लिया, उन तमाम पतियों का जिन्होंने अपनी पत्नियों की पढ़ाई शादी के बाद पूरी करवाई, उन भाइयों का जिन्होंने अपनी बहनों को अपना व्यक्तित्व खोजने के लिये प्रोत्साहित किया और उनके सपनों तक पहुँचने के रास्ते गढ़ने में उनका हाथ बँटाया।

दुर्भाग्यवश भारतीय स्त्री की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिति में २१वीं शताब्दी में आज भी बहुत कुछ सुधार की आवश्यकता है। निस्संदेह कानून के स्तर पर बड़े बदलाव आए है। बलात्कार संबंधी कानूनों को स्त्री के पक्ष में मजबूत किया गया, साथ ही तलाक, यौन-उत्पीड़न और पैतृक सम्पत्ति में हिस्सेदारी से संबंधित नए कानूनों ने महिलाओं की स्थिति को मजबूत किया है। १९९१ की जनगणना में महिलाओं के गिरते लिंगानुपात की बात मुखरता से सामने आई तो कन्या-भ्रूण-हत्या को रोकने के लिये नई नीतियाँ बनाई गई। महत्वपूर्ण बात यह है कि महिलाओं के अस्तित्व से जुड़ी समस्या को सबने स्वीकारना शुरू कर दिया है। यह स्वीकार किया जाने लगा है कि लड़कियों को जन्म से पहले मार देना, बलात्कार, दहेज के लिये जला देना या फिर उन्हें शिक्षा से दूर रखना एक समस्या ही नहीं, अपराध है।

महिलाओं की स्थिति अपनी पूरी जटिलता में आज हमारे सामने आ रही है, इस लिहाज से देखें तो हालात पिछले ४० वर्षों में कही ज्यादा बदतर हुए है। बलात्कार, दहेज-हत्या, कन्या-भ्रूण-हत्या, छेड़-छाड़ और कार्यस्थल पर उत्पीड़न की घटनाएँ भी तेजी से बढ़ने लगी हैं। मीडिया और सूचना-तंत्र की वजह से महिलाओं की वर्तमान वास्तविक स्थिति हमारे सामने और अधिक उजागर हो रही है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि लगभग हर समाज अपनी सामाजिक संरचना के हिसाब से महिलाओं के खिलाफ हिंसा के अलग-अलग तरीके ढूँढ लेता है और साथ ही उस हिंसा को उचित ठहराने के तर्क भी। सती निरोधक कानून में रूप कंवर सती मामले के संदर्भ में संशोधन का विरोध इसका उदाहरण रहा है। राजस्थान के गाँव देवराला में रूप कंवर के सती होने की घटना लगभग एक हफ्ते बाद पूरे देश को पता चली थी। २६ दिसम्बर १९८७ को जब इस राजपूत महिला के सती होने के तेरहवें दिन चुनरी महोत्सव के लिये तैयारियाँ शुरू हुई तब देशभर के मीडिया ने इसे बहस का मुद्दा बना दिया। जगह-जगह आन्दोलन हुए और सामाजिक कार्यकर्त्ताओं ने सती निरोधक कानून को और कठोर बनाने की माँग की। जब यह मामला केन्द्र सरकार के पास गया तो महिला और बाल विकास मंत्रालय ने सती निरोधक कानून के तहत आरोपियों की सजा बढ़ाने के साथ-साथ समुदाय और उस गाँव के प्रमुख को आरोपित बनाने की सिफारिश की। हैरानी की बात यह रही कि संसद में बहस के दौरान कतिपय सांसदों ने इस कानून में बदलाव का काफी विरोध किया। उनका तर्क था कि राजपूतों की इस परम्परा में कानून का हस्तक्षेप नहीं होना चाहिये, हालाँकि इस विरोध के बाद भी सती निरोधक कानून में संशोधन पारित कर दिया गया।

सदियों से सामाजिक व्यवस्था महिलाओं के साथ 'सामान' की तरह बर्ताव करती रही है। यह सुखद विषय है कि करीब साढ़े छह दशक पुरानी हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था ने लगातार यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि स्त्रियाँ 'सामान' नहीं हैं और उन्हें उनके हिस्से का 'सम्मान' मिलना चाहिए। ऐसा उसने कुछ बेहद महत्वपूर्ण कानून बनाकर किया है – पंचायत चुनाव में महिला आरक्षण, घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम २००५, दहेज प्रतिबंध अधिनियम १९६१, प्रसूति प्रसुविधा अधिनियम १९६१, कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न निवारण कानून २०१२, आदि। दिल्ली में हुए घिनौने सामूहिक बलात्कार काण्ड ने न केवल महिलाओं की असुरक्षा बल्कि उनके प्रति गलत सोच को भी उजागर किया है। आवश्यकता है समाज में सुधार की, महिलाओं के प्रति सोच बदलने की।

(समाज विकास, जनवरी २०१३ से)

वैवाहिक पात्रों के चयन में सुविधा हेतु वेबसाईट मारवाड़ी विवाह डॉट कॉम का लोकार्पण

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा गत २० जनवरी २०२२ को कोलकाता स्थित पवनपुत्र बैंक्वेट हॉल में आयोजित एक समारोह में पश्चिम बंग सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नंद किशोर अग्रवाल** ने उपस्थित अतिथियों के साथ मिलकर एक वेबसाईट **marwarivivaah.com** का लोकार्पण किया। वेबसाईट के संयोजक **श्री प्रवीण खेतावत** एवं ऐप के निर्माता **श्री मुकेश अग्रवाल** ने वेबसाईट के विषय में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इसका उद्देश्य युवक–युवतियों के विवाह हेतु पात्रों के चयन को सुगम और पारदर्शी बनाना है।

लोकार्पण समारोह में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ**, राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय हरलालका** एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका** की विशिष्ट उपस्थिति थी।

समारोह के आयोजन में सर्वश्री पवन जालान, अनिल डालमिया, नितिन अग्रवाल, मनमोहन बागड़ी, मोहित अग्रवाल, अंकित झुनझुनवाला, दीपक खेतावत, प्रमोद गोयनका, पवन गोयनका, दीपक बंका, संजय अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, अमित अग्रवाल, श्रवण खेतावत, विजय शेकर अग्रवाल, पारस अग्रवाल आदि का सक्रिय सहयोग रहा।

एक विचार लो। उस विचार को अपना जीवन बना लो – उसके बारे में सोचो, उसके सपने देखो, उस विचार को जीओ। अपने मस्तिष्क, माँसपेशियों, नसों, शरीर के हर हिस्से को उस विचार में डूब जाने दो, और बाकी सभी विचारों को किनारे रख दो। यही सफल होने का तरीका है।

— स्वामी विवेकानन्द

देव-स्तुति

[गतांक से आगे]

– डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

नम आद्याय बीजाय ज्ञानविज्ञानमूर्तये।
प्राणेन्द्रियमनोबुद्धीविकारैर्व्यक्तिमीयुषे।।

मैं इस ब्रह्मांड के मूल आदि पुरुष ब्रह्माजी को नमस्कार करता हूँ, जो ज्ञान-विज्ञान हैं तथा जो दृश्य जगत को उत्पन्न करने में अपने मन तथा अनुभूत बुद्धि का उपयोग कर सकते हैं। उनके कार्य-कलापों के ही कारण इस ब्रह्मांड में हर वस्तु दृष्टिगोचर हो रहे है, अतएव वे समग्र अभिव्यक्तियों के कारण-स्वरूप हैं।

अनन्ताव्यक्तरूपेण येनेदमखिलं ततम्।
चिदाचिच्छक्तियुक्ताय तस्मै भगवते नमः।।

मैं उन परम पुरुष को नमस्कार करता हूँ, जिन्होंने अपने अनन्त, अप्रकट रूप को विराट जगत के रूप में ब्रह्मांड की समग्रता में विस्तारित किया है। उनमें अन्तरंगा शक्ति तथा बहिरंगा शक्ति और समस्त जीवों से समन्वित मिश्रित तटस्था शक्ति पाई जाति है।

तस्मै नमोऽस्तु काष्ठायै यत्रात्मा हरिरीश्वरः।
यद्गत्वा न निवर्तन्ते शान्ताः सन्न्यासिनोऽमलाः।।
इति ते संयतात्मानः समाहितधियोऽमलाः।
उपतस्थुर्ह्यृषीकेशं विनिद्रा वायुभोजनाः।।

हम उस दिशा को सादर नमस्कार करते हैं जहाँ भगवान स्थित हैं, जहाँ संन्यास आश्रम में रहने वाले विशुद्ध आत्मा महान संन्यासीगण जाते हैं और जहाँ जाकर वे फिर कभी नहीं लौटते। बिना सोये, अपने मन को पूर्णतया वश में करके तथा केवल अपनी श्वास पर जीवित रहकर विभिन्न लोकपालों ने ऐसा ध्यान करके ऋषिकेश की पूजा करनी प्रारम्भ की।

अकामः सर्वकामो वा मोक्षकाम उदारधिः।
तीव्रेण भक्तियोगेन यजेत पुरुषं परम्।।

कोई कुछ चाहे या कुछ भी न चाहे अथवा भगवान् में लीन होना चाहे, वह तभी बुद्धिमान कहलाता है जब वह दिव्य प्रेमाभक्ति के द्वारा पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान् कृष्ण की पूजा करता है। चाहे कोई कर्मी हो, अथवा ज्ञानी या योगी, यदि वह किसी विशेष वर की पूर्ति चाहता है, भले ही वर भौतिक क्यों न हो, तो उसे भगवान् के पास जाकर प्रार्थना करनी चाहिए क्योंकि तब उसकी पूर्ति होगी। किसी भी इच्छा–पूर्ति के लिए किसी देवता के पास अलग से जाने की आवश्यकता नहीं।

श्रीप्रह्लाद उवाच

परः स्वश्चेत्यसद्ग्राहः पुंसां यन्मायया कृतः।
विमोहितधियां दृष्टस्तस्मै भगवते नमः।।

मैं उन पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान् को नमस्कार करता हूँ, जिनकी माया ने मनुष्यों की बुद्धि को मोहित कर मेरे मित्र तथा मेरे शत्रु में विभेद उत्पन्न किया है। वस्तुतः मुझको अब इसका वास्तविक अनुभव हो रहा है, यद्यपि मैंने पहले इसके विषय में प्रामाणिक स्त्रोतों से सुन ही रखा है।

साक्षात् धरित्वेन समस्तशास्त्रै–
रुक्तस्तथा भाव्यत एवं सद्भिः।
किन्तु प्रभोर्यः प्रिय एवं तस्य
वन्दे गुरोः श्रीचरणारविन्दम्।।

गुरु का उतना ही आदर किया जाना चाहिए जितना कि परम भगवान् का किया जाता है क्योंकि वह भगवान् का परम विश्वस्त सेवक है। इसे समस्त शास्त्रों ने स्वीकार किया है और सारे विद्वान् इसका पालन करते हैं। अतएव मैं ऐसे गुरु के चरणकमलों को सादर प्रणाम करता हूँ जो श्रीहरि के प्रामाणिक प्रतिनिधि है।

श्रीब्रह्मोवाच

नतोऽस्म्यनन्ताय दुरन्तशक्तये विचित्रवीर्याय पवित्रकर्मणे।
विश्वस्य सर्गस्थितिसंयमान्गुणैः स्वलीलया सन्दधतेऽव्ययात्मने।।

हे भगवान्! आप अनन्त हैं और आपकी शक्ति का कोई अन्त नहीं है। कोई भी आपके पराक्रम तथा अद्भुत प्रभाव का अनुमान नहीं लगा सकता, क्योंकि आपके कर्म माया द्वारा दूषित नहीं होते। आप भौतिक गुणों से सहज ही ब्रह्मांड का सृजन, पालन तथा संहार करते हैं लेकिन तो भी आप अव्यय बने रहते हैं। अतएव मैं आपको सादर प्रणाम करता हूँ।

श्रीनागा ऊचुः

येन पापेन रत्नानि स्त्रीरत्नानि हृतानि नः।
तद्वक्षः पाटनेनासां दत्तानन्द नमोऽस्तु ते।।

अत्यन्त पापी हिरण्यकशिपु ने हम सबके फणों की मणियाँ तथा हम सबकी सुन्दर पत्नियाँ छिन ली थीं। अब, चूँकि उसके वक्षस्थल को आपने अपने नाखूनों से चीर दिया है, अतएव आप हमारी पत्नियों की परम प्रसन्नता के कारण हैं। इस तरह हम सभी मिलकर आपको सादर नमस्कार करते हैं।

श्रीप्रह्लाद उवाच

स त्वं हि नित्यविजितात्मगुणः स्वधाम्ना
कालो वशीकृतविसृज्यविसर्गशक्तिः।
चक्रे विसुष्टमजयेश्वर षोडशारे
निष्पीडयमानमुपकर्ष विभो प्रपन्नम्।।

हे मेरे प्रिय भगवान्, हे परम पुरुष, आपने सोलह अवयवों से इस भौतिक जगत की रचना की है, किन्तु आप उनके भौतिक गुणों से परे हैं। दूसरे शब्दों में, ये भौतिक गुण पूरी तरह आपके वश में हैं तथा आप कभी भी उनके द्वारा जीते नहीं जाते। अतएव काल तत्व आपका प्रतिनिधित्व करता है। हे प्रभु, हे परमेश्वर आपको कोई जीत नहीं सकता। किन्तु जहाँ तक मेरी बात है, मैं तो कालचक्र द्वारा पिसा जा रहा हूँ, अतएव मैं आपको पूर्ण आत्म-समर्पण करता हूँ। अब आप मुझे अपने चरणकमलों में संरक्षण प्रदान करें।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

विशिष्ट संरक्षक सदस्य

श्री बिशाल कुमार लोढ़ा
मे. श्री श्याम उद्योग
वि.- दिघी, पो. - चाकुलिया,
जिला - सिंहभूम
(पू.) - ८३२३०१, झारखंड
मो : ९४३११०९७३८

श्री संजय कुमार लोढ़ा
नया बाजार, गौशाला के पास
पो. चाकुलिया, जिला- पू. सिंहभूम -
८३२३०१, झारखंड
मो : ८७८९५८८९३०

श्री कौशल कुमार रुँगटा
मे. ओम ट्रेडर्स, पुराना बजार,
पो. चाकुलिया, जिला - पू. सिंहभूम
- ८३२३०१, झारखंड
मो : ७९९२४५१८९४

श्री सुशील शर्मा
चाकुलिया, पुराना बाजार
पू. सिंहभूम - ८३२३०१,
झारखंड
मो : ९९०५५३६४६४

श्री आनंद सेक्सरिया
चाकुलिया, पुराना बाजार
पू. सिंहभूम - ८३२३०१
झारखंड
मो : ९०३१२६२५५४

श्री विकाश अग्रवाल
चाकुलिया, पुराना बाजार
पू. सिंहभूम - ८३२३०१
झारखंड
मो : ७००४६३७५३६

श्री मनोज कुमार अग्रवाल
चाकुलिया, पुराना बाजार
पू. सिंहभूम - ८३२३०१,
झारखंड
मो : ८२१०८८१९७९

श्री राजेश छावछरियाँ
मे. श्री श्याम ट्रेडर्स
वि + पो. - चाकुलिया, पुराना बाजार
पू. सिंहभूम - ८३२३०१, झारखंड
मो : ९०३१३४७६३२

संघ शक्ति कलियुगे

संरक्षक सदस्य

श्री राजेश कुमार बाकरेवाल
मेन रोड, पुराना बाजार
विवेक मेडिकल के नजदीक
चाकुलिया, पूर्वी सिंहभूम-८३२३०१
झारखंड, मो : ७७६५०८६६३०

श्री विकाश कुमार तुलस्यान
रुम नं.-३१२, श्री राम प्लाजा
तीसरा तल, बैंक मोड़,
धनबाद - ८२८१११, झारखंड
मो : ९४३११२३६१५

सम्मेलन के सदस्य बनें और बनायें!

आजीवन सदस्य

श्री अभिषेक चौधरी मेन रोड, चंडिल, सरायकेला, झारखंड	**श्री अभिषेक कुमार भालोटिया** १०, जुबली रोड, बिष्टुपुर, झारखंड	**श्री अचनस गोयल** गोला चौक, हजारीबाग, झारखंड	**श्री अजय भालोटिया** १०, जुबली रोड, बिष्टुपुर जमशेदपुर, झारखंड	**श्री अजय कुमार अग्रवाल (भालोटिया)** नया बाजार, जुगसलाई, जमशेदपुर, झारखंड
श्री अजय कुमार अग्रवाल करगली बाजार, बरमो, बोकारो, झारखंड	**श्री अक्षय गोयल** आदित्यपुर, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री अलोक कुमार लोढ़ा** नया बाजार, चाकुलिया, ई. सिंहभूम, झारखंड	**श्री अमित भरतिया** चाकुलिया, ई. सिंहभूम, झारखंड	**श्री अमित खण्डेलवाल** मेन रोड, आदित्यपुर, जमशेदपुर, झारखंड
श्री अमित कुमार बगड़िया मेन रोड, चंडिल, सरायकेला, झारखंड	**श्री अमित कुमार बागड़ी** डी.बी. रोड, नया बाजार, जुगसलाई, झारखंड	**श्री अमित कुमार जोशी** अंकित होटल काम्पलेक्स, सराय रोड, दुमका, झारखंड	**श्रीमती अमिता कुमार बूबना** गुरु गोबिन्द सिंह रोड, शारदा काम्पलेक्स, हजारीबाग, झारखंड	**श्री आनंद कुमार मुनका** नलयान नगर, जमशेदपुर झारखंड
श्री अनिल जालान चंडिल, सरायकेला, झारखंड	**श्री अनिल कुमार भुदौलिया** कुटिया रोड, गिरीडीह, झारखंड	**श्री अनिल कुमार लोहिया** रंगलाल मार्केट, अपर बाजार, रांची, झारखंड	**श्री अनिल कुमार परवारी** सराय रोड, दुमका, झारखंड	**श्रीमती अनिता अग्रवाल लिसाडीया** बजरंगी चौक, बाडम बाजार, हजारी बाग, झारखंड
श्रीमती अंजु अग्रवाल जदो बाबू चौक, बाडम बाजार, हजारीबाग, झारखंड	**श्रीमती अंजू बूबना** डॉ. भामा मार्ग, कानी बाजार, बाडम बाजार, हजारीबाग, झारखंड	**श्रीमती अंजू खण्डेलवाल** महावीर स्थान चौक, बाडम बाजार, हजारीबाग, झारखंड	**श्री अंकित गोयल** द्वितीय फेज, इण्डस्ट्रीयल एरिया आदित्यपुर, जमशेदपुर, झारखंड	**श्रीमती अंकिता लोहिया** सांई मार्केट, अपर बाजार, रांची, झारखंड
श्रीमती अंशु अग्रवाल बूबना शारदा काम्पलेक्स, जारीबाग, झारखंड	**श्री अनुप चौधरी** विजया हेरिटेज, कदमा, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री अनुप जालान** दुर्गा मंदिर के पास, मेन रोड, सरायकेला, झारखंड	**श्री अनुप कुमार** भागलपुर रोड, दुमका, झारखंड	**श्री अनुप कुमार अग्रवाल** नया बाजार, चाकुलिया, ई. सिंहभूम, झारखंड
श्री अनुप कुमार केडिया चाकुलिया, ई सिंहभूम झारखंड	**श्री अपूर्वा कृष्णा नाम्बी** सुन्दरी मार्केट, मेन रोड, हजारीबाग, झारखंड	**श्रीमती अर्चना खण्डेलवाल** पी.एन. लाल रोड, रामनगर, हजारीबाग, झारखंड	**श्री अरिहंत जैन** लेपो रोड, हजारीबाग, झारखंड	**श्री अरूण कुमार चौधरी** मेन रोड, सरायकेला, झारखंड

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री अरूण कुमार लुहाडिया मेन रोड, हजारीबाग, झारखंड	**श्री अरूण कुमार सोंथलिया** मेन रोड, दुमका, झारखंड	**श्री अरूण पोद्दार** आदित्यपुर, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री अरविन्द कुमार अबुवाला** श्याम प्लाजा, सराय रोड, दुमका रोड, झारखंड	**श्रीमती आशा अग्रवाल** पंच मंदिर चौक, हजारीबाग, झारखंड
श्री आशिष खण्डेलवाल नया बाजार, रामटेकरी रोड, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री आशीष कुमार अग्रवाल** सोनारी, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री आशिष कुमार मोदी** भागलपुर रोड, दुमका झारखंड	**श्री अशोक कुमार अग्रवाल** पो. सुन्दर नगर, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री अशोक कुमार जुझारसिंहका** सराय रोड, दुमका, झारखंड
श्री अविनाश कुमार जैन भगवान महावीर मार्ग, हजारीबाग, झारखंड	**श्री आवेश गर्ग** उलीयन, कदमा, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री आयुष गोयल** आदित्यपुर, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री आयुष पसारी** मेन रोड, चौक बाजार चंडिल, सरायकेला, झारखंड	**श्रीमती बबीता अग्रवाल** बालाजी टावर, प. सिंहभूम, झारखंड
श्री बजरंग कुमार भालोटिया सराय रोड, दुमका, झारखण्ड	**श्री बलराम प्रसाद अग्रवाल** बिष्टुपुर, पू. सिंहभूम, जमशेदपुर, झारखंड	**श्रीमती बर्खा अग्रवाल** जादु बाबू चौक, हजारीबाग, झारखण्ड	**श्री बसंत कुमार अग्रवाल** नया बाजार, चाकुलिया, पू. सिंहभूम, झारखण्ड	**श्रीमती बीणा अग्रवाल** टुगरी, पं. सिंहभूम, झारखण्ड
श्री भरत कुमार अग्रवाल मेन रोड, घाटशिला, पू. सिंहभूम, झारखंड	**श्री बिमल कुमार जालान** दाम रोड, सरायकेला, झारखंड	**श्री बिमल कुमार लोढ़ा** साउथ पार्क, बिष्टुपुर, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री बिनय कुमार लोढ़ा** चाकुलिया, पू. सिंहभूम, झारखंड	**श्रीमती बिनीता अग्रवाल** सोनारी, जमशेदपुर, झारखंड
श्री बिनोद दंगबजिया एयर बेस कालोनी, कदमा, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री चंदन कुमार अग्रवाल** क्याली बाजार, बेर्मो बोकारो, झारखण्ड	**श्रीमती चाँदनी अग्रवाल** गुरुद्वारा, शॉप एरिया, बिष्टुपुर, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री चाँदी प्रसाद नागेलिया** आर रोड, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री दीपक कुमार झुनझुनवाला** मेन रोड, पुराना बाजार, चाकुलिया, ई. सिंहभूम, झारखंड
श्री दीपक कुमार लोहिया बालकृष्ण सहाय लेन, राँची, झारखंड	**श्री दीपक कुमार सावा** मेन रोड, जुगसलाई, जमशेदपुर झारखंड	**श्री देव नंद पुरोहित** आदर्श नगर, सोनारी, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री दिलीप कुमार लोढ़ा** स्टेशन रोड, पुराना बाजार, चाकुलिया, पू. सिंहभूम, झारखंड	**श्री दिलीप कुमार मेहरिया** सराय रोड, दुमका, झारखण्ड
श्री दिनेश जालान दाम रोड, सराय केला, झारखण्ड	**श्री दिनेश कुमार खेतान** अग्रघाट रोड, गिरीडीह, झारखण्ड	**श्री दीपु कुमार दंगबजिया** घाटकीडीह बाजार, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्रीमती दिव्या अग्रवाल** अरुणोदय अपार्टमेंट, आदित्यपुर, पू. सिंहभूम, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री दीवाकर प्रकाश राजगढ़िया** हरित भवन, हरमू रोड, रांची, झारखंड
श्री दुर्गा प्रसाद शर्मा पुराना बाजार, चाकुलिया, पू. सिंहभूम, झारखंड	**श्री गगन कुमार अग्रवाल** घाटशिला, पू. सिंहभूम, झारखण्ड	**श्री गगन कुमार रुस्तगी** अपना बाजार, बिष्टुपुर, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री गौरव रुँगटा** एम. रोड, बिष्टुपुर, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री गोपाल कुमार टमकोरिया** सि.एस. कालोनी, चास बोकारो, झारखण्ड
श्री ऋतिक लोहिया रंगलाल मार्केट, अपर बाजार, राँची, झाहखंड	**श्री जनक राज गोयल** हटिया रोड, सरायकेला, झारखंड	**श्रीमती जयश्री गोयल** द्वितीय फेज, आदित्यपुर, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री जिनेन्द्र अग्रवाल** मेन रोड, भाटिया बस्ती, कदमा, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री जिनेन्द्र अग्रवाल** नर्सिंगगढ़, दालभूमगढ़, पू. सिंहभूम, झारखंड
श्रीमती ज्योति अग्रवाल सुभाष चौक, टुंगरी चायवासा, पू. सिंहभूम, झारखंड	**श्रीमती ज्योति बजाज** बजाज मार्केट, अमला टोला, चाईबासा, पू. सिंहभूम, झारखंड	**श्रीमती ज्योति कुमारी खण्डेलवाल** मेन रोड, हजारीबाग, झारखंड	**श्रीमती ज्योति अग्रवाल** टुंगरी, चाईबासा, प. सिंहभूम, झारखंड	**श्रीमती कबिता कटारूका** जेल रोड, चाईबासा, प. सिंहभूम, झारखंड
श्री कमल शर्मा लेक रोड, पुरानी राँची, राँची, झारखण्ड	**श्री कंचन शर्मा** न्यु कालोनी, कुम्हार टोली, हजारीबाग, झारखण्ड	**श्री कपिल कुमार जैन** गोला रोड, बाडम बाजार, हजारीबाग, झारखण्ड	**श्री करण चौधरी** कदमा, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्रीमती कविता अग्रवाल** न्यु लाईन, सोनारी, जमशेदपुर, झारखण्ड
श्री केदार नाथ अग्रवाल (सिंगल) सरायकेला, झारखण्ड	**श्रीमती किरण गोयल** अमला टोला, चाईबासा, पू. सिंहभूम, झारखण्ड	**श्रीमती कोमल मित्तल** आदित्यपुर, सरायकेला, जमशेदपुर, , झारखण्ड	**श्री कृष्णा लाल शर्मा** रणधीर प्रसाद स्ट्रीट, अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	**श्री कुसुम चिरानियाँ** विश्वकर्मा मार्केट, सदर बाजार प. सिंहभूम, झारखण्ड
श्री लखन लाल अग्रवाल नर्सिंगगढ़, धालभूमगढ़, पू. सिंहभूम, झारखण्ड	**श्री ललित दंगा (अग्रवाल)** आदर्श नगर, माँगो, डीमना रोड, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्रीमती लक्ष्मी मित्तल** आदित्यपुर, सरायकेला, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री मदन लाल अग्रवाल** घरबासा, गोलमुड़ी, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्रीमती मधु अग्रवाल** आदित्यपुर, जमशेदपुर, झारखण्ड
श्रीमती मधु बागड़ी टुंगरी, प. सिंहभूम, झारखण्ड	**श्री मधुकर सिंघानियाँ** एस. एन. गाँगुली रोड, राँची, झारखण्ड	**श्री महेन्द्र कुमार अग्रवाल** धालभूमगढ़, पू. सिंहभूम, झारखण्ड	**श्री मनीष कुमार भालोटिया** अग्रसेन भवन कैम्पस, दुमका, झारखण्ड	**श्री मनीष सिंघानियाँ** जय प्रकाश उद्यान, आदित्यपुर, जमशेदपुर, झारखण्ड
श्रीमती मंजु जैन छाबड़ा बाडम बाजार, हजारीबाग, झारखण्ड	**श्रीमती मंजु जैन सेठी** मालवीय मार्ग, झंडा चौक, हजारीबाग, झारखण्ड	**श्री मनोज खेमका** खेमका टावर, कदमा, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** बिष्टुपुर, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** नर्सिंगगढ़, धालभूमगढ़, पू. सिंहभूम, झारखंड
श्रीमती मीना अग्रवाल पंच मंदिर, हजारीबाग, झारखंड	**श्रीमती मेधा सिंहानियाँ** जय प्रकाश उद्यान, आदित्यपुर, जमशेदपुर, झारखंड	**श्रीमती मीना अग्रवाल** लालजी हिरजी रोड, राँची, झारखंड	**श्रीमती मीता खिरवाल** कपड़ा पट्टी, सदर बाजार, चाईबासा, प. सिंहभूम, झारखंड	**श्री मोहन लाल अगरवाला** कचहरी रोड, गिरीडीह, झारखंड
श्री मोहित सुल्तानियाँ मेन रोड, सदर बाजार, चाईबासा, प. सिंहभूम, झारखंड	**श्री मुकेश कुमार मित्तल** नया बाजार, जुगसलाई, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री मुरली मनोहर टिबड़ेवाल** मेन रोड, दुमका, झारखंड	**श्री नैनिश जैन पटनी** पंच मंदिर, बाडम बाजार, हजारीबाग, झारखंड	**श्री नरेन्द्र कुमार टिकमानी** कोर्ट रोड, राँची, झारखंड
श्री नरेश झुझोरण चास, जोघड़ी मोड़, बोकारो, झारखंड	**श्री नरेश कुमार अग्रवाल** साकची, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री नटवर लाल अग्रवाल** नर्सिंगगढ़, धालभूमगढ़, पू. सिंहभूम, झारखंड	**श्री नवीन अग्रवाल** आदित्यपुर, गमहरिया, सराकेला, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री नवीन कुमार अग्रवाल** बगान एरिया, न्यु सितारामडेरा, जमशेदपुर, झारखंड

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री नवीन कुमार सेठी सेठी विला, स्टेशन रोड, गिरीडीह, झारखंड	**श्री नवीन पसारी** दाम रोड, चंडिल सरायकेला, झारखंड	**श्रीमती नीलम अग्रवाल** नवाबगंज, हजारीबाग, झारखंड	**श्रीमती नीलू पोद्दार** मेन रोड, हजारीबाग, झारखंड	**श्रीमती निशा गुप्ता** कदमा, पू. सिंहभूम, जमशेदपुर, झारखंड
श्रीमती नेहा अग्रवाल अलंकार इंक्लेव, स्टेशन रोड, जमशेदपुर, झारखंड	**श्रीमती नेहा अग्रवाल** अग्रवाल भवन, टुँगरी, प. सिंहभूम, झारखंड	**श्री नीरू जालान** एक्सिस बैंक चंडिल, सरायकेला, झारखंड	**श्री नीहार तुलस्यान** रोशपा टावर्स, मेन रोड, राँची, झारखंड	**श्री नीरज कुमार भूत** डी. कोस्टा रोड, जुगसलाई, पू. सिंहभूम, जमशेदपुर, झारखंड
श्री निर्मल कुमार जैन विनायका गुरु गोविन्द सिंह रोड, हजारीबाग, झारखंड	**श्री निर्मल कुमार खण्डेलवाल** मेन रोड, चाकुलिया, पू. सिंहभूम, झारखंड	**श्री निर्मल कुमार सरायवाला** मेन रोड, जुगसलाई, स्टेशन रोड, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री निर्मल मनपुरिया** मेन रोड, राँची, झारखंड	**श्रीमती निर्मला गोयल** अमलाटोला, चाईबासा, झारखंड
श्रीमती पलक खण्डेलवाल मेन रोड, हजारीबाग, झारखण्ड	**श्री परीन मित्तल** आदित्यपुर, पू. सिंहभूम, जमशेदपुर, झारखंड	**श्रीमती परिता नाम्बी** महावीर स्थान चौक, हजारीबाग, झारखण्ड	**श्री परमेश्वर प्रसाद खेमका** ८८ए, कार्पोरेटीव कालोनी, बोकारो, झारखण्ड	**श्री पवन अग्रवाल** टैंक रोड, उलीयान कदमा, जंशेदपुर, झारखण्ड
श्री पवन कुमार अग्रवाल गुरुद्वारा शॉप एरिया, विष्टुपुर, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री पवन कुमार गोयनका** पुराना बाजार, मेन रोड, चाकुलिया, झारखंड	**श्री पवन कुमार खण्डेलवाल** बड़ा बाजार चौक, सुभाष मार्ग, हजारीबाग, झारखण्ड	**श्री पवन कुमार मित्तल** कुलदीप गली, चास, बोकारो, झारखंड	**श्री पवन कुमार पोद्दार** विष्टुपुर, जमशेदपुर, झारखंड
श्रीमती पायल रूस्तगी अपना बाजार, बिष्टुपुर, जमशेदपुर, झारखंड	**श्रीमती पायल तुलस्यान** सुखदेव नगर, रातु रोड, राँची, झारखंड	**श्रीमती पिंकी लोहिया** दीनबन्धु लेन, अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	**श्रीमती पिंकी छाबछरिया** सिताराम डेरा, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्रीमती पिंकी रूँगटा** सुभाष चौक, टुँगरी, प. सिंहभूम, झारखंड
श्री पियुष शर्मा श्री श्याम प्लाजा, दुमका, झारखंड	**श्रीमती पूजा अग्रवाल** रोड एक्सटे, ने.-५, सोनारी, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री प्रभात कुमार बगड़िया** वार्ड नं.-१, पचंवा, गिरीडीह, झारखंड	**श्री प्रदीप कुमार गुप्ता** बिष्टुपुर, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री प्रदीप मित्तल** नया बाजार, जुगसलाई, जमशेदपुर, झारखण्ड
श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल सराय रोड, दुमका झारखण्ड	**श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल** पुरुलिया रोड, चास, बोकारो, झारखण्ड	**श्रीमती प्रमिला गोयल** सोनारी, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल** ३७, धात्कीडीह मार्केट, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री प्रशांत दोदराजका** बड़ा निमडीह, चोईबासा, प. सिंहभूम, झारखंड
श्री प्रवीण कुमार अग्रवाल स्टेशन रोड, तपाड़िया कम्पाउंड, जुगसलाई, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री प्रेम अग्रवाल** धर्मशाला रोड, जुगसलाई, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री प्रेम चन्द्र अग्रवाल** मे. सौरव इंटरप्राईजेज, सरायकेला, झारखंड	**श्रीमती प्रियंका जैन बिनायका** गोला रोड, बडम बाजार, हजारीबाग, झारखंड	**श्रीमती पूजा काबरा** आशियाना गार्डन, सोनारी, जमशेदपुर, झारखण्ड
श्रीमती पूजा मुनका सुन्दरी मार्केट, मेन रोड, हजारीबाग, झारखंड	**श्री राधेश्याम मित्तल** आदित्यपुर, पू. सिंहभूम, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री राहुल अग्रवाल (मुनका)** मेन रोड, हजारीबाग, झारखंड	**श्री राहुल भालोटिया** बिष्टुपर, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री राहुल कुमार अग्रवाल** हजारी बाग रोड, प्लाजा चौक, राँची, झारखंड
श्री राहुल मित्तल आदित्यपुर, सरायकेला, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री राहुल शर्मा** मेन रोड, हजारीबाग, झारखंड	**श्री राज कुमार खण्डेलवाल** टाटा कंद्रा रोड, पू. सिंहभूम, आदित्यपुर, झारखंड	**श्री राज कुमार परवारी** गिलन पाड़ा, दुमका, झारखंड	**श्री राज कुमार पोद्दार** लेक रोड, अपर बाजार, राँची, झारखंड
श्री राजेन्द्र कुमार अग्रवाल फुसरो, बोकारो, झारखण्ड	**श्री राजेश चौधरी** कसीडीह, बस्टल, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** गुरुद्वारा शॉप एरिया, विष्टुपुर, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री राजेश कुमार खेतान** वेस्ट लेक लेन, राधा मार्ग, अपरबाजार, राँची, झारखण्ड	**श्री राजेश कुमार लोढ़ा** पुराना बाजार, चाकुलिया, पू. सिंहभूम, झारखण्ड
श्री राजेश कुमार सोंथलिया अजीम गली, दुमका, झारखण्ड	**श्री राजेश कुमार तुलस्यान** विष्टुपुर, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री राजेश पसारी** सोनारी, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री राजीव अग्रवाल** सुन्दरनगर, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री राकेश कुमार अग्रवाल** गिलन पाड़ा, दुमका, झारखण्ड
श्री राम अवतार बकरेवाल चाकुलिया, पुरानी बाजार, पू. सिंहभूम, झारखण्ड	**श्री राम गोपाल रूँगटा** पुराना बाजार, चाकुलिया, पू. सिंहभूम, झारखण्ड	**श्री राम कृष्ण सुरेका** नया बाजार, चाकुलिया, पू. सिंहभूम, झारखण्ड	**श्री रमन बोरा** बंशीधर अडुकिया रोड, अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	**श्री रमेश भालोटिया** सी.एच. एरिया, विष्टुपुर, जमशेदपुर, झारखण्ड
श्री रमेश कुमार खेमका खेमका हाउस, जे.जे. रोड, अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	**श्रीमती रानी अग्रवाल** सिताराम डेरा, एग्रिको, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री रंजित कुमार मोदी** मेन रोड, दुमका, झारखण्ड	**श्रीमती रश्मि बस्का अग्रवाल** महेश सोनी चौक, बाडम बाजार, हजारीबाग, झारखण्ड	**श्रीमती रश्मि दोदराजका** निमडीह, चाईबासा, पू. सिंहभूम, झारखण्ड
श्री रतन कुमार चौधरी लहेरी टोला, सरायकेला, झारखण्ड	**श्री रतनाकेश खेतान** चंडिल, सरायकेला, झारखण्ड	**श्रीमती रीना खण्डेलवाल** झंडा चौक, मेन रोड, हजारीबैग, झारखण्ड	**श्रीमती रेखा अग्रवाल** माही रोड, साकची, जमशेदपुर, झारखंड	**श्रीमती रेखा जैन पटनी** काली बड़ी रोड, हजारीबाग, झारखंड
श्रीमती रेनु अग्रवाल सदर बाजार, पू. सिंहभूम, झारखंड	**श्रीमती रिक्का जोशी** सदर जोशी, चाईबासा, पू. सिंहभूम, झारखंड	**श्रीमती रिंकु अग्रवाल** सुन्दरनगर, पू. सिंहभूम, जमशेदपुर, झारखंड	**श्रीमती ऋतिका मित्तल** आदित्यपुर, जमशेदपुर, झारखंड	**श्रीमती रुचि अग्रवाल** जामा मस्जिद रोड, हजारीबाग, झारखंड
श्रीमती रुचि जैन मर्सी पिल्द्धी, हजारीबाग, झारखंड	**श्रीमती रुचि कर्नानी** पू. सिंहभूम, झारखंड	**श्रीमती रूपा भालोटिया** सी. एच. एरिया, विष्टुपुर, जमशेदपुर, झारखंड	**श्रीमती रूपा खण्डेलवाल (बैद)** पैगोदा चौक, मेन रोड, हजारीबाग, झारखंड	**श्री सचिन जैन पटोंदी** गोला रोड, बडम बाजार, हजारीबाग, झारखंड
श्री संदीप कुमार बजाज कागलनगर, सोनारी, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री संदीप सुल्तानियाँ** मेन रोड, चंडिल, सरायकेला, झारखंड	**श्री संजय जालान** डायमण्ड वाटिका, डिमना रोड, माँगो, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** नया रोड, फुसरो, बोकारो, झारखंड	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** नया बाजार, जुगसलाई, जमशेदपुर, झारखंड

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

Regd. & Corporate Office:

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

Overseas Office at:

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

Plants at:

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2021-2023
Date of Publication - 31st January 2022
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com